स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

''ज्ञानतीर्थ'', विष्णुपुरी, नांदेड

एम.ए. (हिंदी) प्रथमवर्ष पाठ्यक्रम

सत्र-१ एवं सत्र - २

जून २०१३ से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

एम.ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष : पाठ्यक्रम की रूपरेखा

---

१. अनिवार्य बीजपत्र - १

१) प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग - १ : प्रथम सत्र
२) प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग - २ : द्वितीय सत्र

२. अनिवार्य बीजपत्र - २

१) नाट्य साहित्य - भाग -१ : प्रथम सत्र
२) नाट्य साहित्य - भाग - २ : द्वितीय सत्र

३. अनिवार्य बीजपत्र -३

१) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - भाग - १: प्रथम सत्र
२) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - भाग -२ : द्वितीय सत्र

४. बीजपत्र - ४

१) अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि - भाग - १: प्रथम सत्र
२) अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि - भाग - २: द्वितीय सत्र

विकल्प :

१) स्त्रीवादी विमर्श एवं साहित्य - भाग -१ : प्रथम सत्र
२) स्त्रीवादी विमर्श एवं साहित्य - भाग -२ : द्वितीय सत्र

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -१

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग - १ प्रथम सत्र

पाठ्य विषय :

१. कबीर ग्रंथावली : संपादक - श्यामसुंदरदास- नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

♦ गुरूदेव कौ अंग क्र.	०१ से १० तक	१०
♦ सुमिरण कौ अंग क्र.	०१ से २० तक	२०
♦ विरह कौ अंग क्र	०१ से २० तक	२०
♦ परचा कौ अंग क्र.	०१ से २० तक	२०
♦ माया कौ अंग क्र.	०१ से १० तक	१०
♦ करणी बिना कथनी कौ अंग क्र.	०१ से ०५ तक	०५
♦ कथनी बिना करणी कौ अंग क्र.	०१ से ०४ तक	०४
♦ कुसंगती कौ अंग क्र.	०१ से ०६ तक	०६
♦ पद क्र. १,३,५,११,२०		०५
		१००

२. पद्मावत जायसी : संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   १) नागमती वियोग खंड
   २) मानसरोदक खंड

३. विद्यापति के पद क्र. १ से २५
   (विद्यापति पद्य संग्रह संपादक- राममूर्ती त्रिपाठी, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग)

द्रुत पाठ :-

द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित कवि चुने गए हैं :

१) सरहपाद २) चंदबरदाई ३) नंददास ४) मीराबाई ५) रैदास

इन कवियों के संबंध में निम्नलिखित जानकारी अपेक्षित है।

अ) कवि का जीवन परिचय
ब) कवि की रचनाओं का परिचय
क) इनके साहित्य की सामान्य विशेषताएँ
ड) काल विशेष में कवि का स्थान

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -१
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग - १ प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र.१. ससंदर्भ व्याख्या :

अ) कबीर- विद्यापति- जायसी पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

ब) कबीर- विद्यापति- जायसी पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

प्र.२. पाठ्य विषय मे निर्धारित कवियों पर विकल्प के साथ प्रश्न २०

प्र.३. टिप्पणी :

अ) पाठ्य विषय के कवियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

ब) पाठ्य विषय के कवियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

प्र.४. द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवियों पर छः लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे चार के उत्तर लिखने होंगे। १०

प्र.५. अ) द्रुत पाठ से एक पूर्ण वाक्य मे उत्तर के लिए पाँच प्रश्न पूछे जाऐंगे। ०५

ब) द्रुत पाठ से रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए पाँच वाक्य होंगे। ०५

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -१

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग - २ द्वितीय सत्र

पाठ्य विषय :

१. रामचरित मानस - (उत्तरकांड) - तुलसीदास : गीता प्रेस गोरखपूर

२. रहीम के दोहे १ से ३२ - हिंदी काव्य संग्रह, संपादक बालकृष्णराव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली =३२ दोहे

३. बिहारी रत्नाकर : संपादक - जगन्नाथदास रत्नाकर क्र. १ से ५० =५० दोहे

द्रुत पाठ :

द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित कवि चुने गए हैं :

१) गुरुगोविंदसिंह २) रसखान ३) देव ४) भूषण ५) मतिराम

इन कवियों के संबंध में निम्नलिखित जानकारी अपेक्षित है।

अ) कवि का जीवन परिचय
ब) कवि की रचनाओं का परिचय
क) इनके साहित्य की सामान्य विशेषताएँ
ड) काल विशेष में कवि का स्थान

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -१
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग - २ द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र.१. ससंदर्भ व्याख्या :

अ) तुलसी - बिहारी- रहीम पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

ब) तुलसी - बिहारी- रहीम पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

प्र.२. पाठ्य विषय में निर्धारित कवियों पर विकल्प के साथ प्रश्न २०

प्र.३. टिप्पणी :

अ) पाठ्य विषय के कवियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

ब) पाठ्य विषय के कवियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

प्र.४. द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवियों पर छः लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे १०
चार के उत्तर लिखने होंगे।

प्र.५. अ) द्रुत पाठ से एक पूर्ण वाक्य में उत्तर के लिए पाँच प्रश्न पूछे जाऐंगे। ०५

ब) द्रुत पाठ से रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए पाँच वाक्य होंगे। ०५

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -१
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग - १ एवं भाग- २
प्रथम सत्र एवं द्वितीय सत्र

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. कबीर - डॉ. विजयेंद्र स्नातक, राजकमल प्रकाशन : दिल्ली
२. कबीर - हजारी प्रसाद द्विदेदी राजकमल प्रकाशन : दिल्ली
३. संत साहित्य के प्रेरण स्त्रोत : आ. परशुराम चतुर्वेद,राजकमल प्रकाशन : दिल्ली
४. कबीर - व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्वांत : डॉ. सरनामसिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन : दिल्ली
५. कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद्र तिवारी - भारती भंडार, दिल्ली
६. हिन्दी के मराठी संतो की देन : डॉ. विनय मोहन शर्मा - राजकमल प्रकाशन : दिल्ली
७. उत्तरी भारत की संत परंपरा : आ. परशुराम चुतर्वेदी - राजकमल प्रकाशन : दिल्ली
८. वीर काव्य - पं. उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार लीडर प्रेस, इलाहाबाद
९. तुलसी का मानस : डॉ. मुंशीराम शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली.
१०. तुलसी की साधना : डॉ. प्रेमशंकर, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली.
११. रामकाव्य और तुसली : डॉ. प्रेमशंकर, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली.
१२. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी.
१३. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चनसिंह , रामचंद्र ॲण्ड कंपनी, दिल्ली.
१४. बिहारी की काव्य कला : डॉ. उदयमानुसिंह, रामचंद्र ॲण्ड कंपनी, दिल्ली.
१५. बिहारी का काव्य : हरिमोहन मालवीय, रामचंद्र ॲण्ड कंपनी, दिल्ली.
१६. बिहारी : विश्वनाथप्रसादसिंह, रामचंद्र ॲण्ड कंपनी, दिल्ली.
१७. संत नामदेव और हिन्दी पद साहित्य : डॉ. रामचंद्र मिश्र, शैलेंद्र साहित्य सदन फर्रुखाबाद, उ.प्र.
१८. मीराबाई की पदावली - परशुराम चुतर्वेदी, प्रकाशक हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग.
१९. हिंदी साहित्य का अतीत : पं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र, भाग १-२, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
२०. जायसी : एक अध्ययन- राजेंद्र मोहन भटनांगर- भारतीय ग्रंथ निकेतन नई दिल्ली-२
२१. पद्मावत का लोक तात्विक अध्ययन - नृपेंद्र प्रसाद शर्मा- भारतीय ग्रंथ निकेतन नयी दिल्ली-२
२२. गुरू गोविंद सिंह और उनकी हिंदी कविता -महिपसिंह -भारतीय ग्रंथ निकेतन नयी दिल्ली-२
२३. कबीर और जायसी - एक मूल्यांकन - रामगोपाल शर्मा-भारतीय ग्रंथ निकेतन नयी दिल्ली-२
२४. मध्यकालीन कवि और कविता : डॉ. रतनकुमार पांडेय

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -२
नाट्य साहित्य - भाग - १ प्रथम सत्र

पाठ्य विषय :

१. नाटक के तत्त्व

२. नाटक : शतुरमुर्ग - ज्ञानदेव अग्निहोत्री, ज्ञानपीठ प्रकाशन।

३. नाटक : एक और द्रोणाचार्य - शंकर शेष, अभिनव प्रकाशन, नई दिल्ली

४. नाटक : कर्फ्यू - लक्ष्मीनारायणलाल, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

द्रुत पाठ :

नाटककार

१) भारतेंदु हरिश्चंद्र २) जयशंकर प्रसाद ३) लक्ष्मीनारायण मिश्र
४) विष्णू प्रभाकर ५) भीष्म साहनी

इन रचनाकारों के संबंध मे निम्नलिखित जानकारी अपेक्षित है।

अ) जीवन परिचय
ब) रचनाओं का परिचय
क) साहित्य की सामान्य विशेषताएँ
ड) काल विशेष में रचनाकारका स्थान

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -२
नाटय साहित्य - भाग - १ प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र.१.	ससंदर्भ व्याख्या		
	अ)	पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
	ब)	पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र.२.	नाटक के तत्त्व तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न		२०
प्र.३.	नाटक के तत्त्व तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न		२०
प्र.४.	द्रुत पाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से छ लघुत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे; चार के उत्तर अनिवार्य।		१०
प्र.५.	अ)	एक पूर्ण वाक्य में उत्तर के लिए द्रुत पाठ से पाँच प्रश्न दिए जाऐंगे।	०५
	ब)	रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुत पाठ से पाँच वाक्य होंगे।	०५

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -२

नाट्य साहित्य - भाग - २ - द्वितीय सत्र

पाठ्य विषय :

१. नाटक साहित्य का इतिहास

२. नाटक - आधे-अधूरे- मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

३. नाटक - चरणदास चोर - हबीब तनवीर पुस्तकायन, नई दिल्ली

४. नाटक - सूरज की अंतिम किरण से सूरज की पहली किरण तक - सुरेंद्र वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

द्रुत पाठ :

१) धर्मवीर भारती २) जगदीशचंद्र माथूर ३) उपेंद्रनाथ अश्क
४) गिरीश कर्नाड ५) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इन रचनाकारों के संबंध में निम्नलिखित जानकारी अपेक्षित है।

अ) जीवन परिचय
ब) रचनाओं का परिचय
क) साहित्य की सामान्य विशेषताएँ
ड) काल विशेष में रचनाकारका स्थान

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -२
नाट्य साहित्य - भाग - २ द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र.१. ससंदर्भ व्याख्या

अ) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

ब) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

प्र.२. नाटक साहित्य का इतिहास तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न २०

प्र.३. नाटक साहित्य का इतिहास तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न २०

प्र.४. द्रुत पाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से छ लघुत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे; चार के उत्तर अनिवार्य। १०

प्र.५. अ) एक पूर्ण वाक्य में उत्तर के लिए द्रुत पाठ से पाँच प्रश्न दिए जाऐंगे। ०५

ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुत पाठ से पाँच वाक्य होंगे। ०५

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -२
नाट्य साहित्य - भाग - १ एवं भाग- २
प्रथम सत्र एवं द्वितीय सत्र

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन - गिरीश रस्तोगी, वाणी प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली

२. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन - राजगोपालसिंह चव्हाण, आत्माराम ॲण्ड सन्स, नई दिल्ली

३. हिंदी नाटककार - जयनाथ नलिन, आत्माराम सन्स, दिल्ली

४. नाटककार मोहन राकेश - गिरीश रस्तोगी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली -२

५. मोहन राकेश के नाटक - डॉ. शिवराज यादव

६. हिंदी नाटक - बच्चनसिंह

७. हिंदी नाटकों की शिल्पविधि - श्रीमती गिरीजासिंह

८. हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा

९. मोहन राकेश के नाटकों में नारी - डॉ.येरेकार, विकास प्रकाशन, कानपुर

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ३

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - भाग - १ प्रथम सत्र

पाठ्य विषय :

क) भाषा और भाषा विज्ञान

१) भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार
भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य
भाषाविज्ञान : स्वरूप, अध्ययन की दिशाएँ-वर्णनात्मक, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक

२) स्वन विज्ञान
स्वन विज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरुप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद

ख) हिंदी भाषा

१) हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : (वैदिक तथा लौकिक संस्कृत) और उनकी विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पालि, प्राकृत और अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण

२) हिंदी का भाषिक स्वरुप
हिंदी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य, खंड्येत्तर स्वनिम

३) हिंदी की रूपरचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, कारक

४) देवनागरी लिपि : विशेताएँ एवं मानकीकरण ।

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ३
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - भाग - १ प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र.१.	भाषा और भाषाविज्ञान पर विकल्प के साथ प्रश्न	२०
प्र.२.	हिंदी भाषा पर विकल्प के साथ प्रश्न	२०
प्र.३.	टिप्पणियाँ	
	अ) स्वन विज्ञान पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब) देवनागरी लिपि पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र.४.	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा से छः लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे; चार के उत्तर लिखने होंगे।	१०
प्र.५.	अ) संपूर्ण पाठ्यविषय से एक वाक्य में उत्तर के लिए पाँच प्रश्न होंगे।	०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए पूर्ण पाठ्य विषय से पाँच प्रश्न होंगे	०५

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ३

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - भाग - २ द्वितीय सत्र

पाठ्य विषय :

क) भाषा विज्ञान

१) व्याकरण : रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा,
रूपिम के भेद : मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी
वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव, गहन संरचना और बाह्य संरचना

२) अर्थ विज्ञान
अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता

ख) हिंदी भाषा

१) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
हिंदी की उपभाषाएँ - पश्चिमी, पूर्वी, राजस्थानी, बिहारी और पहाडी हिंदी तथा उनकी बोलियाँ

२) हिंदी के विविध रूप :
संपर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति

३) हिंदी में कम्प्युटर सुविधाएँ :
अ) मशिनी अनुवाद
ब) आँकडा संसाधन
क) मेल आयडी का पंजीकरण (विधि)
ड) ई-मेल करना (विधि)
इ) विषय की जानकारी ढुँढ़ना (सर्च करना)

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ३
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - भाग - २ द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र.१.	व्याकरण और अर्थ विज्ञान पर विकल्प के साथ प्रश्न	२०
प्र.२.	हिंदी भाषा पर विकल्प के साथ प्रश्न	२०
प्र.३.	टिप्पणियाँ	
	अ) भाषा विज्ञान पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब) हिंदी में कम्प्युटर सुविधाओं पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र.४.	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा से छः लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे; चार के उत्तर लिखने होंगे।	१०
प्र.५.	अ) संपूर्ण पाठ्यविषय से एक वाक्य में उत्तर के लिए पाँच प्रश्न होंगे।	०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए पूर्ण पाठ्य विषय से पाँच प्रश्न होंगे	०५

****

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र -३
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - भाग - १ एवं भग २
प्रथम सत्र एवं द्वितीय सत्र

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
२. हिंदी भाषा- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
३. भाषा विज्ञान - सिद्वांत और स्वरुप - जितराम पाठक, अनुपम प्रकाशन, पटना
४. हिंदी : उद्‌भव, विकास और रुप - हरदेव बहारी,किताब महल, इलाहाबाद
५. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
६. भाषा विज्ञान की देवेंद्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
७. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. धिरेंद्र वर्मा, हिंदुस्थानी अॅकडमी, इलाहाबाद
८. भाषा विवेचन - भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद
९. हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
१०. हिंदी की ध्वनियाँ और उनका उच्चारण -भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
११. भाषा विज्ञान - डॉ. अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन औरंगाबाद
१२. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - सुधाकर नलावडे, साहित्य रत्नालय, कानपूर
१३. भाषा और भाषिकी - देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
१४. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. हनुमंत पाटील, प्रेम प्रकाशन, दिल्ली
१५. हिंदी भाषा प्रकृति - डॉ. बलभीमराज गोरे, गोमटेश प्रकाशन, परभणी
१६. आधुनिक भाषा का संक्षिप्त इतिहास - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
१७. व्यावहारिक हिंदी भाषा और व्याकरण - डॉ. उमेशचंद्र मिश्र, साहित्य रत्नालय, कानपूर
१८. हिंदी भाषा स्वरुप और विकास - कैलासचंद्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
१९. हिंदी भाषा उद्‌भव और विकास - उदयनारायण तिवारी
२०. भाषा और समाज - राम विलास शर्मा
२१. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम - रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
२२. सरल भाषा विज्ञान - मनमोहन गौतम

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४

स्त्रीवादी विमर्श - भाग - १ प्रथम सत्र

पाठ्य विषय :

१. स्त्री विमर्श : पृष्ठभूमि, अवधारणा, लेखन के आधार एवं विशेषताएँ

२. उपन्यास - तत् सम - राजीसेठ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

३. आत्मकथा - शिकंजे का दर्द - सुशीला टाकभौरे

४. द्रुत पाठ

इन लेखकों के संबंध में निम्नलिखित जानकारी अपेक्षित है।

अ) लेखक का जीवन परिचय
ब) लेखक की रचनाओं का परिचय
क) इनके साहित्य की सामान्य विशेषताएँ
ड) काल विशेष में लेखक का स्थान

कात्यायनी, मृदुलागर्ग, प्रभा खेतान, पद्मा सचदेव, तस्लीमा नसरीन

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४
स्त्रीवादी विमर्श - भाग - १ प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र.१.	ससंदर्भ व्याख्या	
	अ) उपन्यास पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
	ब) आत्मकथा पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र.२.	स्त्री विमर्श पृष्ठभूमि, अवधारणा, विशेषताएँ पर विकल्प के साथ के प्रश्न	१०
प्र.३.	उपन्यास पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.४.	आत्मकथा पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.५.	द्रुत पाठ हेतु निर्धारित रचनाकारो में से छ लघुत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे; चार के उत्तर अनिवार्य।	१०
प्र.५. अ)	एक पूर्ण वाक्य में उत्तर के लिए द्रुत पाठ से पाँच प्रश्न दिए जाऐंगे।	०५
ब)	रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुत पाठसे पाँच वाक्य होंगे।	०५

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४

स्त्रीवादी विमर्श - भाग - २ द्वितीय सत्र

पाठ्य विषय :

१. हिंदी में स्त्रीवादी साहित्य लेखन परंपरा,

२. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य - क्षमा शर्मा

३. उपन्यास - बेतवा बहती रही - मैत्रेयी पुष्पा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

४. आत्मकथा - पिंजरे की मैना - चंद्रकिरण सोनरेक्सा

५. द्रुत पाठ

इन लेखकों के संबंध में निम्नलिखित जानकारी अपेक्षित है।

अ) लेखक का जीवन परिचय
ब) लेखक की रचनाओं का परिचय
क) इनके साहित्य की सामान्य विशेषताएँ
ड) काल विशेष में लेखक का स्थान

शिवाणी, मृणाल पांडे, चित्रा मुदगल, रमणिका गुप्ता, मंजुल भगत

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४
स्त्रीवादी विमर्श - भाग - २ द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारुप

अंक : ८०

प्र.१.	ससंदर्भ व्याख्या	
	अ) उपन्यास पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
	ब) आत्मकथा पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र.२.	हिंदी में स्त्रीवादी साहित्य लेखन परंपरा, स्त्रीवादी विमर्श समाज और साहित्य पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
प्र.३.	उपन्यास पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.४.	आत्मकथा पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.५.	द्रुत पाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से छ लघुत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे; चार के उत्तर अनिवार्य।	१०
प्र.५. अ)	एक पूर्ण वाक्य में उत्तर के लिए द्रुत पाठ से पाँच प्रश्न दिए जाऐंगे।	०५
ब)	रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुत पाठ से पाँच वाक्य होंगे।	०५

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. नारी प्रश्न - सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
२. औरत, अस्तित्त्व और अस्मिता - अरविंद जैन, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
३. स्त्रीवादी विमर्श - समाज और साहित्य - क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
४. स्त्री परंपरा और आधुनिकता - राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
५. भारतीय समाज में नारी - डॉ. प्रभा आपटे, क्लासिक प्रकाशन
६. समकालिन महिला लेखन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, पूजा प्रकाशन
७. स्त्री विमर्श - डॉ. जगदीश चतुर्वेदी
८. परिघि पर स्त्री - मृणाल पांडे
९. औरत : उत्तर कथा - डॉ. राजेंद्र यादव
१०. स्त्री पुरुषों के संबंधों का विमर्श - डॉ. उषा कीर्ति राणावत, साहित्यचंद्रिका प्रकाशन, जयपूर

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४ विकल्प में

अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि - भाग - १ प्रथम सत्र

पाठ्य विषय :

१. अनुवाद की प्रवृत्ति - अनुवाद की परिभाषा, अनुवाद के प्रकार - शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, छायानुवाद, समीक्षानुवाद
आदर्शानुवाद, तथ्यपरक, संस्कृतिपरक, भाषिक और सौंदर्यपरक, सहज अनुवाद

२. अनुवादक के गुण, अच्छे अनुवाद का स्वरूप

३. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार
काव्यानुवाद, कथानुवाद, निबंधानुवाद, आत्मकथानुवाद, संस्मरणानुवाद, रेखाचित्रानुवाद

४. अनुवाद प्रविधि, कामकाजी अथवा कार्यालयीन अनुवाद

अ) कामकाजी अंग्रेजी अथवा मराठी वाक्यांशों का हिंदी अनुवाद

ब) कामकाजी हिंदी वाक्यांशों के अंग्रेजी अथवा मराठी अनुवाद

५. व्यावहारिक अनुवाद

अ) विधि साहित्य का अनुवाद

ब) बँकींग शब्दावली का अनुवाद

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४ विकल्प में
अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि - भाग - १ प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र. १.	समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र. २.	समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र. ३.	टिप्पणियाँ	
	अ) समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब) समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र. ४.	समग्र पाठयक्रम पर छः लघुत्तरी प्रश्न चार के उत्तर लिखने होंगे	१०
प्र. ५.	अ) संपूर्ण पाठ्यविषय से एक वाक्य में उत्तर के लिए पाँच प्रश्न होंगे	०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए पूर्ण पाठ्य विषय से पाँच प्रश्न होंगे	०५

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४ विकल्प में
अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि - भाग - २ द्वितीय सत्र

पाठ्य विषय :

१. अनुवाद चिंतन की परंपरा, अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार संबंधी चिंतन परंपरा का संक्षिप्त इतिहास, प्रवृत्तियों का विश्लेषण

२. अनुवादक के अधिकार एवं सीमाएँ

३. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार
समीक्षानुवाद, पत्रानुवाद, डायरीअनुवाद, यात्रा साहित्यानुवाद, हास्य-व्यंग्य साहित्यानुवाद, जीवनी साहित्य अनुवाद

४. अनुवाद प्रविधि, कामकाजी अथवा कार्यालयीन अनुवाद

अ) कामकाजी अंग्रेजी अथवा मराठी अनुच्छेदों का हिंदी अनुवाद

ब) कामकाजी हिंदी अनुच्छेदों का अंग्रेजी अथवा मराठी अनुवाद

५. व्यावहारिक अनुवाद

अ) सामान्य प्रशासन में प्रयुक्त शब्दों का हिंदी अनुवाद

ब) सरकारी पद का हिंदी अनुवाद

क) सरकारी कार्यालयों के नाम का हिंदी अनुवाद

****

एम.ए. (हिंदी) बीजपत्र -४ विकल्प में
अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि - भाग - २ द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक : ८०

प्र. १.	समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र. २.	समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र. ३.	टिप्पणियाँ	
	अ) समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब) समग्र पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र. ४.	समग्र पाठयक्रम पर छः लघुत्तरी प्रश्न चार के उत्तर लिखने होंगे	१०
प्र. ५.	अ) संपूर्ण पाठ्यविषय से एक वाक्य में उत्तर के लिए पाँच प्रश्न होंगे	०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए पूर्ण पाठ्य विषय से पाँच प्रश्न होंगे	०५

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. प्रयोजन मूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
२. अनुवाद स्वरूप और प्रक्रिया - डॉ.सी.एच.रामुलु, सीता प्रकाशन, हाथरस (उ.प्र.)
३. प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
४. प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ.लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ.प्रमिला अवस्थी आशीष प्रकाशन, कानपूर
५. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. कैलशचंद्र भाटीया, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
६. अनुवाद - कार्यदक्षता - संपादक डॉ.महेंद्रनाथ दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
७. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - डॉ.सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
८. अनुवाद कला - डॉ.एन.ई.विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
९. अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - डॉ.एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञानगंगा, दिल्ली

****